an>

Title: Need to give minimum support price for paddy crops in Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान बिहार के करोड़ों किसानों का सरकारी दर पर धान पर नहीं खरीदे जाने से हो रही व्यथा की ओर दिलाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे अपनी बात पूरी करने का अवसर प्रदान करें। ...(व्यवधान)

बिहार में पिछले कई वर्षों से किसान अकाल और विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं की मार झेल रहे हैं। इस वर्ष धान की फसल अच्छी हुई है। पिछले कई वर्षों से सरकारी दर पर धान खरीदा नहीं जा रहा है। ...(व्यवधान) इस वर्ष की भी यही स्थिति है। 15 नवंबर से सरकारी दर पर धान की खरीद होनी थी लेकिन अभी तक राज्य सरकार की अनिच्छा और अरुचि के कारण धान की खरीद जीरो प्रतिशत हुई है यानी अभी तक कोई खरीद नहीं हुई है क्योंकि व्यवस्था को बहुत टेढ़ा बनाया गया है।। ...(व्यवधान) किसानों से कहा गया कि ऑनलाइन एप्लाई करें, इस कारण किसान धान बेच नहीं पा रहे हैं। किसान लाचार होकर कम दाम और उधार पर धान बेचने को मजबूर है और इस कारण बिचौलिए हावी हो रहे हैं।...(व्यवधान)

यह विषय राज्य सरकार का है, लेकिन मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि भारत सरकार इसका संज्ञान ले और राज्य सरकार को एडवाइजरी दे ताकि कम से कम इस वर्ष अकाल की मार झेल चुके किसानों का धान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा सके। इसके साथ ही मेरा निवेदन है कि उनको कम से कम 500 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के रूप में दिया जाए ताकि उनका कुछ कम्पेनसेशन हो सके।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री सी.पी. जोशी, को

श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।